आपदाओं में हज़ारों जीवन बचाना एक बहुमूल्य उपलब्धि

भारत डोगरा

हाल ही में फिलिपिंस में आए चक्रवात ने हज़ारों लोगों को तबाह कर दिया है। कुछ समय पहले जिस तरह भारत ने चक्रवात से और ऑस्ट्रेलिया ने अग्निकांड से मानव जीवन की रक्षा की है, उसको विश्व स्तर पर सराहा जा रहा है।

अक्टूबर 12-13 के फेलिन चक्रवात में मानव जीवन की क्षति को न्यूनतम रखा जा सका, जबकि वर्ष 1999 के चक्रवात में ओड़िशा में 10,000 लोग मारे गए थे। तब से भारतीय मौसम विभाग ने चक्रवात की चेतावनी देने में काफी प्रगति कर ली थी और साथ में ओड़िशा की राज्य सरकार ने भी अपने बचाव कार्य की व्यवस्था में कई सुधार कर लिए थे। इसका लाभ इस चक्रवात से मानव जीवन की रक्षा में मिला।

मौसम विभाग के चक्रवात सम्बंधी अनुमान विदेशों से आने वाले अनुमानों से कहीं अधिक विश्वसनीय सिद्ध हुए। बाहरी तौर पर मौसम ठीक-ठाक लग रहा था तभी उन्होंने चेतावनी दे दी थी ताकि बचाव कार्य समय पर आरंभ हो सकें। लगभग नौ लाख लोगों को विभिन्न खतरनाक क्षेत्रों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

स्थानीय प्रशासन ने इस बारे में कोई अनिश्चय की स्थिति नहीं बनने दी। निर्देश बहुत स्पष्ट तौर पर दिए गए कि जहां भी खतरे की संभावना है वहां से लोगों को निकालना है और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना है। इस तरह के स्पष्ट निर्देश से ही समय पर बचाव कार्य हो सका। आपदा राहत दल ओड़िशा व आंध्र प्रदेश में समय पर पहुंचे व बचाव कार्य में बहुत योगदान दिया। रेलवे हो या स्थानीय प्रशासन या मीडिया, सभी ने अपने स्तर पर मूल्यवान योगदान बचाव कार्य में किया।

इसका अर्थ यह नहीं है कि कहीं कोई कमी नहीं रही। राहत कार्य में कमियां शीघ्र ही सामने आने लगीं। पर जहां तक मुख्य आपदा से मानव जीवन बचाने की बात है, तो यह कार्य कुल मिलाकर बहुत कुशलता और आपसी तालमेल से हुआ। बचाव सम्बंधी निर्देश इतने स्पष्ट थे कि जब एक जगह जेल में लोगों को आश्रय देने की ज़रूरत महसूस हुई, तो जेल के द्वार भी तत्परता से खोल दिए गए।

इसके कुछ समय बाद ही ऑस्ट्रेलिया में बुशफायर के रूप में बहुत व्यापक स्तर पर आग फैल गई जिसका विस्तार अभूतपूर्व बताया गया है। सूखे मौसम और तेज़ हवाओं में यह आग बहुत तेज़ी से फैली। देश भर से आग बुझाने वाले दस्तों को यहां बुलाया गया।

आग बहुत तेज़ी से फैलने के बावजूद प्रथम सप्ताह (लगभग 17 से 23 अक्टूबर) के बीच की स्थिति यह थी कि किसी भी व्यक्ति की मृत्यु अग्निकांड से नहीं होने दी गई। प्रभावित परिवारों में दिल का दौरा पड़ने से एक मौत ज़रूर हुई। इस तरह बहुत बड़े अग्निकांड में जिस तरह बहुमूल्य मानव जीवन की रक्षा व बचाव के प्रयास किए गए उसे विश्व स्तर पर सराहा गया।

इसके अतिरिक्त आग को नियंत्रित करने में लगे कर्मियों के लिए भी जिस तरह राहत व आराम की व्यापक व्यवस्था यहां की गई, वह काबिले तारीफ है और इससे यह सुनिश्चित हो सका है कि दूसरों के जीवन की रक्षा करने वालों के अपने जीवन की भी रक्षा हो सके।

इस तरह के प्रयासों की सफलता के लिए ज़रूरी है कि बहुत पहले से जीवन रक्षा के सफल प्रयासों की मज़बूत बुनियाद तैयार की जाए। इस तरह के बुनियादी कार्य पहले से होंगे, तभी आपदा के समय जीवन रक्षा में बड़ी सफलता मिल पाएगी। ***(स्रोत फीचर्स)***